सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 07 APRIL TO 13 APRIL 2023 • VOLUME 37 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

डरने वालों को नहीं मिलता
कुछ जिंदगी में,
लड़ने वालों के कदमों में
जहान होता है।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

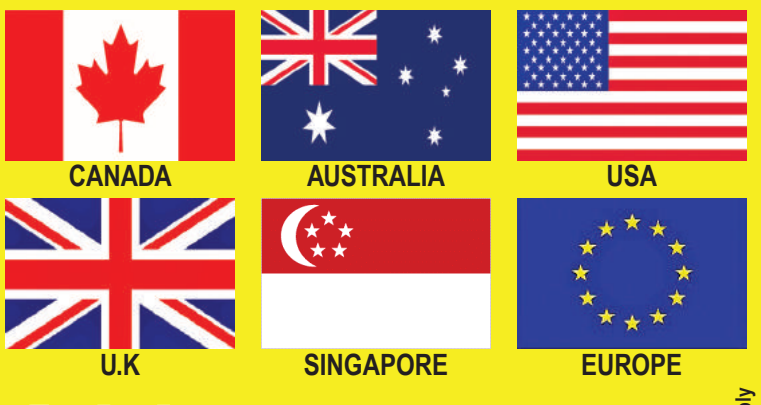

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

अंग्रेज चले गए, गुलामी की मानसिकता छोड़ गए : मोदी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि 2024 के आम चुनावों में कोई भी भाजपा को हरा नहीं सकता है, लेकिन पार्टी को चुनाव से परे जाना चाहिए और लोगों का दिल जीतने का लक्ष्य रखना चाहिए। भाजपा स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि हमें भाजपा को भविष्य की और 21वीं सदी की पार्टी बनाना है। उन्होंने नसीहत देते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते हमें अति-आत्मविश्वास का शिकार नहीं होना चाहिए। लोग कहते हैं कि 2024 में भाजपा को कोई हरा नहीं सकता, यह सही है, लेकिन एक भाजपा कार्यकर्ता के रूप में हमें हर नागरिक का दिल जीतना है और चुनाव

जीतने से आगे जाना है।

मोदी ने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जो बड़े सपने देखती है, जबकि कांग्रेस को छोटे सपने ही दिखाई देते हैं और उनके नेता एक-दूसरे की प्रशंसा करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत के लोगों ने भारत के पुनर्जागरण की नई यात्रा का शंखनाद कर दिया है। 800 साल से ज्यादा की गुलामी से बाहर निकल कर एक राष्ट्र अपना खोया हुआ गौरव पाने के लिए फिर से उठ खड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में दशकों से चली आ रही बुराइयां धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जा रही हैं। सन् 47 में अंग्रेज भले ही चले गए लेकिन लोगों को गुलाम रखने की मानसिकता यहीं छोड़ गए। आजादी के बाद देश में ऐसा वर्ग खूब फला-फूला जो सत्ता को अपना जन्मजात हक़ समझता था।

मोदी ने कहा कि जो देश लोकतंत्र की जननी हो, उसकी जनता के नीर-क्षीर-विवेक पर प्रारंभ से हमारी आस्था रही है और दिनों-दिन वो आस्था और मजबूत होती जा रही है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा देश में एक नए पॉलिटिकल कल्चर का नेतृत्व कर रही है जबकि कांग्रेस और उसके ही जैसे अन्य दलों का कल्चर आप देख सकते हैं। परिवारवाद, वंशवाद, जातिवाद और क्षेत्रवाद के बंधक हैं ये सभी दल, जबकि भाजपा का पॉलिटिकल कल्चर प्रत्येक देशवासी को साथ लेकर चलने का है।

कांग्रेस और उसकी जैसी पार्टियों का कल्चर है...छोटा-छोटा सोचना और उस से भी कम हासिल कर के खुशियां मनाना। ये एक-दूसरे की पीठ थपथपा कर खुश हैं, जबकि भाजपा का पॉलिटिकल कल्चर है बड़े सपने देखना और उस से भी ज्यादा हासिल करने के लिए जी-जान से जुट जाना।

जालंधर लोकसभा उपचुनाव के लिए रिंकू होंगे 'आप' उम्मीदवार

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) ने जालंधर लोकसभा उपचुनाव के लिए पूर्व विधायक सुशील कुमार रिंकू को उम्मीदवार बनाया है। रिंकू अच्छी छवि और साफ आचरण के नेता हैं और जालंधर में लोगों के बीच उनकी काफी मजबूत पकड़ है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुद ट्वीट कर सुशील कुमार रिंकू के नाम का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा,"जालंधर लोकसभा उपचुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने सुशील कुमार रिंकू जी की उम्मीदवारी पर मुहर लगाई.. शुभकामनाएं।"

बता दें कि सांसद संतोख चौधरी के निधन के बाद जालंधर लोकसभा सीट खाली हो गयी थी। इस सीट के लिए 10 मई को वोटिंग होनी है। नतीजे 13 मई को आएंगे। 20 अप्रैल नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है।

सुशील कुमार रिंकू ने 2017 में जालंधर पश्चिमी से पहली बार चुनाव लड़ा था। अपने प्रतिद्वंद्वी को 17334 वोटों से हराकर वे विधानसभा पहुँचे थे।

गौरतलब है कि बीते बुधवार को ही सुशील कुमार रिंकू आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे। खुद पार्टी सुप्रीमो और दिल्ली के सीएम अरविन्द केजरीवाल ने उनका पार्टी में स्वागत किया था। इस दौरान पंजाब के सीएम भगवंत मान भी मौजूद थे।

राहुल और प्रियंका से मिले कांग्रेस नेता नवजोत सिद्धू

नई दिल्ली. जेल से रिहा होने के बाद कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने आज पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की। इस बात की जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि आज नई दिल्ली में अपने गुरु राहुल जी और मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक प्रियंका जी से मुलाकात हुई। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि आप मुझे जेल में डाल सकते हैं, मुझे डरा सकते हैं, मेरे सभी वित्तीय खातों को ब्लॉक कर सकते हैं लेकिन पंजाब और मेरे नेताओं के लिए मेरी प्रतिबद्धता न तो झुकेगी और न ही एक इंच पीछे हटेगी।

वर्ष 1988 के रोड रेज मौत के मामले में करीब 10 महीने जेल में बिताने वाले

सिद्धू शनिवार को रिहा हो गए थे। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सिद्धू को 65 वर्षीय गुरनाम सिंह की मौत के मामले में मई 2022 में उच्चतम न्यायालय द्वारा एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद जेल भेज दिया गया था। कारागार से बाहर आते ही उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा था और आरोप लगाया कि लोकतंत्र बेड़ियों में जकड़ा हुआ है और संस्थान गुलाम हो गए हैं।

पंजाब पुलिस ने राज्य में चलाया गया तलाशी अभियान

250 पुलिस टीमों ने 866 कॉलोनियों की घेराबंदी की और 5869 घरों की ली तलाशी

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने गुरूवार को राज्य भर के शहरों और कस्बों के बाहरवार स्थापित कॉलोनियों में घेराबन्दी और तलाशी अभ्यान (सीएएसओ) चलाया। यह कार्यवाही डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर अमल में लाई गई। यह ऑपरेशन राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में प्रातः काल 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक एक ही समय चलाया गया और सीपीज़/ऐसऐसपीज़ को पुलिस फोर्स की भारी तैनाती के बीच इस कार्यवाही को उचित ढंग के साथ योजना बनाकर पूरा करने के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया कि एसपी/डीएसपी रैंक के अधिकारियों का नेतृत्व में 2500 पुलिस मुलाजिमों की 250 से अधिक पुलिस टीमों ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस टीमों ने

शक्की व्यक्तियों की तलाशी लेने के इलावा किराये की रिहायश पर रह रहे किरायेदारों की जाँच (वैरीफिकेशन) संबंधी भी पूछताछ की।

स्पैशल डीजीपी ने बताया कि पुलिस टीमों ने ऑपरेशन के दौरान 5869 घरों की चैकिंग करने के लिए 866 से अधिक कॉलोनियों को घेरा डाला और 322 शक्की व्यक्तियों को काबू किया और जिनसे और पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने चार ऐफआईआरज़ दर्ज की हैं और 2.25 लाख रुपए की ड्रग मनी, 66.5 ग्राम हेरोइन और 11 मोबाइल फ़ोन भी बरामद किये हैं। ज़िक्रयोग्य है कि ऐसे ऑपरेशन फील्ड में पुलिस की मौजूदगी को दिखाने और आम लोगों में पुलिस का भरोसा बढ़ाने में भी सहायक होते हैं।

भाजपा में शामिल हुए एके एंटनी के बेटे, पीयूष गोयल ने दिलाई सदस्यता

नई दिल्ली. दक्षिण भारत में अपनी पैठ जमाने की कोशिश में जुटी भाजपा को बड़ी कामयाबी मिली है। कांग्रेस के कद्दावर नेता एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने भाजपा का दामन थाम लिया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अनिल एंटनी को भाजपा के सदस्यता दिलाई। एके एंटनी के बेटे ने उस दिन पार्टी का दामन थामा जिस दिन भाजपा अपना स्थापना दिवस मना रही है। भाजपा में शामिल होने के बाद अनिल एंटनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जबरदस्त तरीके से तारीफ की। उन्होंने कहा कि मेरा काम राष्ट्रीय के लिए काम करना है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास देश को लेकर एक साथ दृष्टिकोण है। इस दौरान वी मुरलीधरन भी मौजूद रहे।

अनिल ने इसी साल जनवरी महीने में कांग्रेस पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने गुजरात में 2002 में हुए दंगों पर आधारित ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) के वृत्तचित्र को भारतीय संस्थानों के विचारों से अधिक महत्व दिए जाने को खतरनाक चलन बताते हुए कहा था कि इससे देश की संप्रभुता प्रभावित होगी। इस प्रतिक्रिया के बाद उन्हें कांग्रेस के भीतर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान आबकारी से राजस्व में 2587 करोड़ की बढ़ोतरी दर्ज : चीमा

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने गुरुवार को बताया कि पंजाब के आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2021-2022 के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान राजस्व में ऐतिहासिक 2587 करोड़ रुपए (41.41 फीसद) का बढ़ोतरी दर्ज किया है। आंकड़े जारी करते उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021- 22 के दौरान पिछले वर्ष के मुकाबले 6254.74 करोड़ रुपए की वसूली के साथ -1.2 प्रतिशत की नकारात्मक बढ़ोतरी दर रिकार्ड की गई थी।

यहां पंजाब भवन में प्रैस कान्फ्रेंस को संबोधन करते हुये वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने 41.41 प्रतिशत की रिकार्ड विकास दर नयी आबकारी नीति को समर्पित की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान राज्य में आबकारी वसूली में

राजस्व का बहुत कम बढ़ोतरी दर्ज किया गया था और कई बार राज्य में आबकारी वसूली में नकारात्मक कमी भी देखी गयी। आंकड़े जारी करते हुए बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2022- 23 के दौरान पिछले वर्ष के मुकाबले 6254.74 करोड़ रुपए की वसूली के साथ -1.2 प्रतिशत की नकारात्मक बढ़ोतरी दर रिकार्ड की गई थी। वर्ष 2020- 21 में पिछले वर्षों के मुकाबले 6335 करोड़ के आंकड़े के साथ 23.7 फीसद का बढ़ोतरी हुआ है। परन्तु 2019- 20 में 5117 करोड़ रुपए की वसूली के साथ -0.7 फीसद का नकारात्मक बढ़ोतरी दर्ज किया गया था, 2018-19 में 5155.86 करोड़ की संग्रह के साथ .33 प्रतिशत बढ़ोतरी हुआ था। इसी तरह 2017-18 में 5139 करोड़ की वसूली के साथ 16.6 प्रतिशत बढ़ोतरी और 2016-17 में पिछले वर्षों के सम्बन्ध में 4406 करोड़ की वसूली के साथ फिर नकारात्मक -8.15 प्रतिशत बढ़ोतरी देखा गया था।

एडवोकेट चीमा ने बताया कि आबकारी विभाग ने वर्ष 2023-24 के लिए रिटेल शराब के ठेके की अलाटमैंट भी सफलतापूर्वक मुकम्मल कर लिया है। वित्त मंत्री ने कहा कि 171 आबकारी समूहों की अलाटमैंट सम्बन्धी प्रक्रिया 11 मार्च, 2023 को आरंभ की गई थी जोकि 31 मार्च, 2023 को सफलतापूर्वक मुकम्मल हो गई है। उन्होंने कहा कि विभाग ने 7989 करोड़ रुपए की डिसकवरड लायसेंस फीस के निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद संजीव अरोड़ा को संसद में दिया जवाब

पंजाब में राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए 19317 करोड़ रुपये निर्धारित, 32% राशि का इस्तेमाल होना शेष

• जालंधर ब्रीज.लुधियाना

पिछले पांच वर्षों में एनएचएआई द्वारा पंजाब राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों पर भूमि अधिग्रहण के लिए 13281.03 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। 6036.90 करोड़ रुपए की राशि जमीन का अधिग्रहण किये जाने के इंतजार में लंबित है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने लुधियाना से 'आप' सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा द्वारा पंजाब में भूमि अधिग्रहण पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही है। एक बयान में, अरोड़ा ने कहा कि उन्होंने एनएचएआई के तहत मंत्रालय द्वारा पिछले पांच वर्षों में पंजाब के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए खर्च की गई राशि और चल रही परियोजनाओं के लिए आगे के अधिग्रहण के लिए

निर्धारित राशि के बारे में पूछा था।

अरोड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग माल और यात्रियों की कुशल आवाजाही और बाजार तक पहुंच में सुधार करके राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी तरह, पंजाब के आर्थिक और सामाजिक विकास में राष्ट्रीय राजमार्गों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता है। इसलिए, अरोड़ा ने पंजाब के किसानों को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में एनएचएआई के साथ सहयोग करने के लिए कहा। उन्होंने स्वीकार किया कि भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में कुछ मुद्दों के कारण पंजाब में कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि गडकरी ने भी इस तथ्य को इंगित किया था जब वह एमपी के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद एनएचएआई से संबंधित कुछ शहर और राज्य मामलों संबंध में उनसे मिलने गए थे।

इसके अलावा, अरोड़ा ने कहा कि कुछ किसान गलत धारणा के तहत अपनी जमीन देने का विरोध करते हैं कि उन्हें कम मुआवजा मिलेगा, जबकि तथ्य यह है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और संबंधित उद्देश्यों के लिए भूमि नेशनल हाइवेज एक्ट, 1956 की धारा 3 के तहत अधिग्रहित की जाती है और मुआवजा राइट टू फेयर कंपनसेशन एंड ट्रांसपेरेंसी इन लैंड एक्वीजीशन, रिहैबिलिटेशन एंड रेसेटलमेंट (आरएफसीटीएलएआरआर) एक्ट, 2013 की पहली अनुसूची के साथ निर्धारित किया जाता है।

सांसद अरोड़ा ने कहा कि आरएफसीटीएलएआरआर अधिनियम, 2013 भारतीय संसद का एक अधिनियम है जो भूमि अधिग्रहण को नियंत्रित करता है और भारत में प्रभावित व्यक्तियों को कंपनसेशन, रिहैबिलिटेशन और रेसेटलमेंट प्रदान करने के लिए प्रक्रिया और नियम निर्धारित करता है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों को यह समझना चाहिए कि आर्थिक और अन्य गतिविधियों में वृद्धि के कारण परिवहन की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए बुनियादी सड़क के बुनियादी ढांचे का और विकास समय की आवश्यकता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका

नई दिल्ली. दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद आप नेता सत्येंद्र जैन द्वारा दायर जमानत याचिका को खारिज कर दिया। जैन को प्रवर्तन निदेशालय ने मई 2022 में गिरफ्तार किया था। उनकी याचिका के साथ, अदालत ने मामले में दो अन्य की याचिकाओं को भी खारिज कर दिया।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 24 अगस्त, 2017 को सत्येंद्र जैन और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 109 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया था। यह 1.68 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति का मामला था।

अपनी जमानत याचिका में सत्येंद्र जैन ने कहा कि उन्होंने हर मौके पर प्रवर्तन निदेशालय

का सहयोग किया। दिल्ली के पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट के जज और ईडी ने आवास प्रविष्टियों के आधार पर अपराध की कार्यवाही की पहचान करके पीएमएलए को गंभीर रूप से गलत तरीके से पढ़ा और गलत तरीके से लागू किया है। उन्होंने उच्च न्यायालय में अपनी याचिका में कहा था कि आवास प्रविष्टियां पीएमएलए के तहत दंडनीय अपराध का कारण नहीं बन सकती हैं।

विदेश यात्रा का है मन लेकिन बजट है कम, तो अपनाएं ये हैक्स सस्ते में होगा ट्रिप

TRAVELING

विदेश यात्रा पर जाना हर किसी का सपना होता है। लेकिन अकसर लोग बजट के कारण ट्रिप प्लान नहीं करते हैं। ऐसे में हम कुछ बेसिक हैक्स बता रहे हैं जो आपके काम आ सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

लाइफ में एक एक ना एक बार सभी विदेश घूमने का सपना देखते हैं। फिर चाहें वह व्यक्ति घुमक्कड़ है या नहीं इससे फर्क नहीं पड़ता। वैसे तो विदेश जाना अब पहले जितना मुश्किल नहीं रहा है लेकिन बात अक्सर बजट पर आकर रुक जाती है। ज्यादातर लोग इंटरनेशनल ट्रिप पर इसलिए नहीं जाते हैं, क्योंकि इसमें काफी ज्यादा रुपये लग जाते हैं। इंटरनेशनल ट्रिप में फ्लाइट्स की टिकट से लेकर रहना, खाना-पीना और घूमना सब कुछ काफी ज्यादा महंगा होता है। हालांकि, अगर आपने विदेश यात्रा का मन बना लिया है तो कुछ ट्रैवल हैक्स को अपनाकर आप इसे बजट में पूरी कर सकते हैं। तो जानिए ट्रेवल हैक्स-

होटल नहीं होस्टल में ठहरें

घूमने फिरने के लिए जब घर से निकलते हैं तो अक्सर हम होटल की बुकिंग पहले कर लेते हैं। लेकिन विदेश यात्रा करने के लिए आपको होटल नहीं बल्कि होस्टल बुक करना है। होटल आपके बजट पर भारी पड़ सकता है। हॉस्टल बुक करने के लिए आपको अच्छे ऑप्शन मिल जाएंगे।

जरूर चुनें ट्रैवल इंश्योरेंस

ज्यादातर लोग ट्रैवल इंश्योरेंस को बेकार मानते हैं। लेकिन आपको बता दें कि ये काफी जरूरी होता है। यात्रा के दौरान किसी भी तरह की अनहोनी को कवर करने के लिए ये बेहद जरूरी होता है। इसके जरिए आप कई चीजों को क्लेम कर सकते हैं।

स्टूडेंट आईडी आएगी काम

अगर आप स्टूडेंट हैं तो अपना स्टूडेंट आईडी कार्ड जरूर साथ में रखें। ये बड़े काम का होता है। दरअसल, स्टूडेंट्स को कुछ ना कुछ छूट मिल जाती है, ऐसे में आपका खर्चा बच सकता है। कई पर्यटन जगहों पर स्टूडेंट की एंट्री टिकट कम होती है। वहीं कुछ कैफे में भी डिस्काउंट मिल जाता है। इसलिए अपने स्टूडेंट कार्ड को साथ रखें।

टैक्सी से बचें

विदेश यात्रा के दौरान टैक्सियों का इस्तेमाल करना काफी महंगा हो सकता है। इसके बजाय ज्यादा किफायती ऑप्शन के रूप में मेट्रो का इस्तेमाल करें। अगर आप जल्दी में नहीं हैं, तो बस लेने की कोशिश करें।

FASHION+

ट्यूब ब्लाउज संग बाजूबंद पहन आलिया भट्ट पहुंची इवेंट में, स्टाइलिश लुक पर अटक जाएंगी निगाहें

नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर के लांच पर आलिया भट्ट पहुंची थीं। जहां उनके ट्यूब डिजाइन के ब्लाउज और मैटेलिक साड़ी वाले लुक ने लोगों को पलटकर देखने के लिए मजबूर कर दिया।

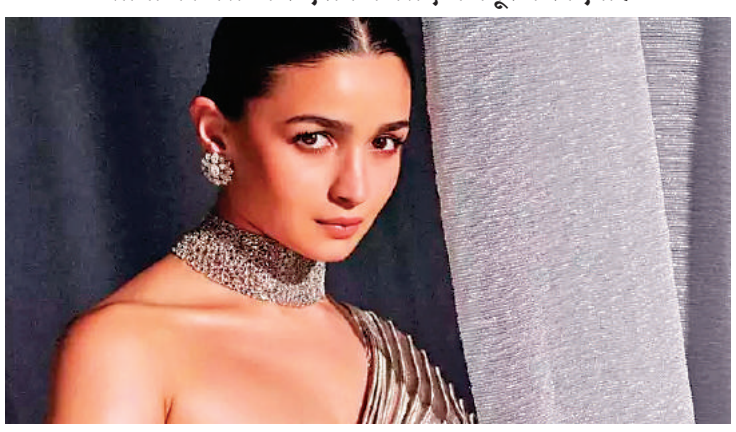

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर के उद्घाटन के मौके पर फिल्मी दुनिया के सितारों का गॉर्जियस लुक देखने को मिला। ट्रेडिशन और स्टाइल को फॉलो करते हुए हसीनाओं ने अपने लुक्स से जमकर लाइमलाइट बटोरी। दीपिका पादुकोण के रीगल लुक से लेकर प्रियंका चोपड़ा के ट्रांसपैरेंट गाउन के बीच आलिया भट्ट का बोल्ड एंड देसी लुक हर किसी का अटेंशन चुरा रहा था। वहीं अपने लुक्स की फोटोज को आलिया ने सोशल मीडिया पर शेयर करने में देरी नहीं की। मां बनने के बाद पहली बार आलिया भट्ट अपनी टोन फिगर और स्किन को शो ऑफ करते भी दिखीं और उनका स्टाइल सेंस भी लाजवाब दिख रहा था।

ब्लाउज ने दिया बोल्ड लुक : आलिया भट्ट ने खास मौके पर मैटेलिक सिल्वर शेड की प्लीटेड पल्लू वाली साड़ी को चुना। जिसके साथ बोल्ड नेकलाइन के हैवी एंब्रायडरी स्ट्रैपलेस ब्लाउज को पेयर किया गया है। फूलों की डिजाइन वाले सिल्वर मैटेलिक ट्यूब ब्लाउज की स्वीटहार्ट नेकलाइन आलिया को बेहद सेसी लुक दे रही थी। वहीं आलिया ने इस लुक को अपने ज्वैलरी पीस से और भी स्पेशल बना दिया।

ट्यूब ब्लाउज को बाजूबंद से किया पेयर : आलिया भट्ट स्टाइल के मामले में हमेशा तारीफ बटोरती हैं। इस बार भी उनका लुक हॉट एंड देसी दिखा। एंब्रायडरी वाले ट्यूब ब्लाउज के साथ आलिया ने मैचिंग डिजाइन के बाजूबंद को पेयर किया है। वहीं गले में डायमंड स्लीक चोकर नेकपीस और फ्लावर स्टड ईयररिंग्स परफेक्ट लुक दे रहे हैं। बात करें मेकअप की तो मिनिमम ग्लॉसी मेकअप के साथ फ्रंट पार्टीशन बालों में स्लीक लो बन बनाया गया था। जिसमे आलिया का लुक बिल्कुल परफेक्ट दिख रहा था।

आप भी कर सकती हैं स्टाइल : अगर आप बाजूबंद को कैरी करना चाहती हैं तो आलिया भट्ट का ये लुक बिल्कुल परफेक्ट है। जिसे आप कॉपी कर सकती हैं। वैसे ट्यूब ब्लाउज के साथ ही आर्मलेट को शोल्डर स्लीव पर टेसल लगे ब्लाउज के साथ भी पेयर किया जा सकता है।

टेस्टी और हेल्दी है **पालक** के साथ बनी **पनीर** की इस सब्जी का कांबिनेशन

सुबह के नाश्ते में आप चाहें तो मिनटों में पालक और पनीर की सब्जी बनाकर तैयार कर सकते हैं। मिनटों में तैयार होने वाली इस सब्जी को रोटी और परांठे के साथ ही चीले या डोसे की फिलिंग के तौर पर खा सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

अच्छी सेहत के लिए हेल्दी खाना बेहद जरूरी होता है। साथ ही मोटापा भी नहीं बढ़ता। अगर आप लो फैट कैलोरी वाले खाने की डाइट पर हैं तो पालक और पनीर की ये भुर्जी बिल्कुल परफेक्ट है। जिसे आप फटाफट सुबह के नाश्ते में बनाकर तैयार कर सकती हैं।

इसे बनाने में बहुत ही कम समय लगेगा। साथ ही आप इसे डोसा या चीले की फिलिंग के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकेंगी। तो चलिए जानें कैसे बनाएं टेस्टी और हेल्दी पालक पनीर की भुर्जी।

पालक पनीर की भुर्जी सामग्री

- 100 ग्राम पालक
- एक चम्मच तेल
- एक चम्मच जीरा
- बारीक कटा हुआ एक प्याज
- बारीक कटा टमाटर
- हरी मिर्ची बारीक कटी हुई
- अदरक बारीक कटी हुई
- तेज पत्ता
- दालचीनी
- हरी धनिया
- नमक स्वादानुसार
- 100 ग्राम पनीर

पालक-पनीर की सब्जी विधि

ब्रेकफास्ट में पालक और पनीर की भुर्जी को आप मिनटों में तैयार कर सकते हैं। सबसे खास बात कि इसे बच्चे भी खाना पसंद करेंगे।

इस सब्जी को बनाने के लिए सबसे पहले पालक को धोकर बारीक काट लें। साथ ही पनीर को हाथों से तोड़कर क्रंबल कर लें। अब पैन में तेल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो जीरा डालें। जीरा के चटकते ही बारीक कटी हरी मिर्च, अदरक डाल दें। साथ में तेजपत्ता, दालचीनी की छाल को डालें और भून लें।

फिर प्याज के टुकड़ों को डालकर सुनहरा होने तक भूनें। जब प्याज अच्छी तरह से सुनहरा हो जाए तो इसमे पालक डालकर करीब दो से तीन मिनट तक पकाएं। जब ये पक जाएं तो इसमे टमाटर कटे हुए डालें। इसके साथ ही इसमे सारे मसाले हल्दी, गरम मसाला, धनिया पाउडर डाल दें। साथ में नमक मिलाएं। दो मिनट के लिए ढंक दें। जिससे कि टमाटर गलकर मिक्स हो जाएं। तेज आंच पर इसे अच्छी तरह से चलाएं और पनीर के क्रंबल टुकड़ों को डालकर मिक्स करें।

दो से तीन मिनट तक तेजी से चलाते हुए गैस की फ्लेम को बंद कर दें। बस तैयार है पालक और पनीर की भुर्जी। इसे रोटी, परांठे या फिर चीले की फिलिंग के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

मूडी बच्चे को डील करने के लिए अपनाए ये टिप्स, स्वभाव में जल्द दिखेगा परिवर्तन

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

PARENTING

बच्चा अगर बात-बात पर गुस्सा या फिर अपनी बात मनवाने के लिए मुंह फुला लेता है तो, ऐसे बच्चों को हैंडल करना कई बार पैरेंट्स के लिए काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चे के मूडी नेचर से परेशान हैं तो उसके व्यवहार में बदलाव लाने के लिए अपनाएं ये असरदार टिप्स।

मूडी बच्चे को डील करने के लिए अपनाएं ये टिप्स-

खुद को करने दें एक्सप्रेस : बच्चा भले ही मूडी स्वभाव का हो, लेकिन उसे अपनी बात रखने का मौका जरूर दें। ऐसा करने से वो अगर अपनी बात बाहर किसी से नहीं कह पाता होगा तो कम से कम घर पर तो अपने मन की बात आपको बिना डरे कह सकेगा। खुद की बात कह देने से बच्चे भीतर से काफी अच्छा फील करेगा।

बच्चे की जिद पर गुस्सा न करें : अक्सर बच्चे के किसी बात को लेकर जिद्द करने पर ज्यादातर माता-पिता उसके ऊपर गुस्सा या फिर उसे डांटने लगते हैं। ऐसी गलती न करें। ध्यान रखें, छोटे बच्चों पर तो पैरेंट्स की ये ट्रिक काम कर जाती है लेकिन टीनएज बच्चों में ये ट्रिक काम नहीं करती है।

20 सेकेंड तक गले लगाकर रखें : एक रिसर्च के अनुसार ह्यूमन टच में क्रोध को शांत करने का गुण मौजूद होता है। ऐसे में अगर कभी आपका बच्चा किसी बात को लेकर जिद्द या गुस्सा करता है तो आप उसे अपने पास बुलाकर 20 सेकेंड तक अपने गले से लगाने के बाद उसे समझाएं।

अपनी बात रखना सिखाएं : जो बच्चे स्वभाव से मूडी होते हैं, उनके साथ अक्सर ये समस्या बनी रहती है कि वो खुद को दूसरों के सामने अच्छी तरह एक्सप्रेस नहीं कर पाते हैं। ऐसे में खुद को एक्सप्रेस करने के चक्कर में वो कई बार दूसरे लोगों से गलत व्यवहार कर बैठते हैं।

जरूर करें तारीफ : मूडी बच्चों को हैंडल करने के लिए उनकी सराहना भी जरूर करें। अगर आपका बच्चा मूडी है लेकिन उसने कोई अच्छा काम किया है तो आप उसकी तारीफ करने में बिल्कुल भी कंजूसी ना करें। आपके ऐसा करने से उसे प्रोत्साहन मिलेगा और बच्चा अपनी तारीफ सुनने के लिए अच्छा बिहेव करने की कोशिश करेगा।

गठिया का दर्द पीछा नहीं छोड़ रहा तो आज ही बदल दें ये आदतें, मिलेगा आराम

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

बढ़ती उम्र के साथ जोड़ों का दर्द घेरने लगता है। जो कि आर्थराइटिस का एक प्रकार है। जिसमे पैरों के ज्वाइंट्स बिल्कुल जकड़ से जाते हैं और उनमे असहनीय दर्द होता है। जिसकी वजह से इंसान का चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। वहीं जब दर्द के साथ घुटनों में और ज्वाइंट्स में सूजन आना शुरू हो जाती है तो ये शरीर के दूसरे अंगों स्किन, आंख, फेफड़े, हार्ट और ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाने लगता है। हालांकि गठिया की समस्या को समय रहते सही दवाओं और लाइफस्टाइल की मदद से कम किया जा सकता है। जिससे बुढ़ापे में कम दर्द झेलना पड़े।

अगर जोड़ों में दर्द के साथ सूजन आने की शिकायत हो रही है तो फौरन लाइफस्टाइल में इस तरह के चेंज कर दें।

रेगुलर एक्सरसाइज : शरीर के लिए फिजिकल वर्क बेहद जरूरी है। जिससे शरीर के सारे अंग प्रापर तरीके से मूवमेंट करें। गठिया की समस्या वालों के लिए एरोबिक्स एक्सरसाइज सबसे बढ़िया होती है। जिससे सारे ज्वाइंट्स में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और जोड़ों में दर्द की शिकायत कम हो जाती है।

मोटापा : शरीर का बढ़ा हुआ वजन ज्यादातर गठिया का कारण बढ़ता है। ज्यादा बॉडी मॉस इंडेक्स होने की वजह से पैरों के घुटनों पर शरीर के वजन का प्रेशर पड़ता है। हाई बॉडी मास इंडेक्स होने की वजह से ८ रिएक्टिव प्रोटीन बढ़ जाता है। जो कि आर्थराइटिस के लिए खतरे की घंटी है। इस सिचुएशन में आर्थराइटिस की दवाएं भी कम काम करती हैं। इसलिए सबसे पहले अपने मोटापे पर कंट्रोल करें और हेल्दी खानपान के साथ ही जमकर एक्सरसाइज करें।

डाइट में शामिल करें फैटी एसिड : बुढ़ापे में अगर गठिया के दर्द से परेशान नहीं होना तो डाइट में ओमेगा 3 फैटी एसिड को जरूर शामिल करें। मछली, अखरोट और हरी पत्तेदार सब्जियों में ये जरूरी तत्व मिल जाता है। जिससे शरीर में फैटी एसिड की कमी नहीं होती है और उम्र बढ़ने के साथ गठिया की समस्या से बचे रह सकते हैं।

HEALTH CARE

गठिया का दर्द बुढापे से पहले ही सताने लगता है तो जरूरत है समय रहते लाइफस्टाइल में इस तरह के बदलाव करने की। जिससे ये दर्द ज्यादा न बढ़ें।

गठिया के दर्द से कैसे मिलेगा छुटकारा

सिंकाई है जरूरी

अगर किसी को गठिया की समस्या है तो उसके लिए गर्म सिंकाई बेहद राहत देने वाली होती है। गर्म पानी में सेंधा नमक डालकर घुटनों को सेंकने से काफी राहत मिलती है।

कैस्टर ऑयल करेगा मदद

गठिया के दर्द को दूर करने के लिए कैस्टर ऑयल बहुत मदद करता है। इसे लगाने के लिए कैस्टर ऑयल में रातभर तौलिया भिगो दें। सुबह इस तौलिया को दर्द वाले घुटनों पर रखकर गर्म पानी के पैड से सिंकाई करें। इस प्रोसेस को करने से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है।

विदेशी मीडिया नहीं तय करेगा भारत की दिशा-दशा : अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने विदेशी मीडिया की भारत मे दखलंदाजी पर बोलते हुए कहा कि भारत के बढ़ते कदमों को कुछ विदेशी ताक़तें पचा नहीं पा रही हैं और कोई विदेशी मीडिया भारत के कोर्ट से ऊपर नहीं, संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली में दख़लंदाज़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने नए भारत की बात करते हुए आगे कहा, " भारत आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। 76% ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग के साथ पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में मान्यता मिली है। भारत के ये बढ़ते कदम कुछ विदेशी ताकतों को रास नहीं आ रहा है। कुछ विदेशी मीडिया ऐजेंडा-प्रोपगंडा के तहत भारत को बदनाम करने में शामिल हैं। लेकिन विदेशी मीडिया भारत की दिशा-दशा तय नहीं करेगा। आज भारत मे न नॉलेज गैप है, न डिजिटल डिवाइड है, ना टेक्नोलॉजी डिवाइड है। आज भारत के पास वह सब कुछ है जो एक विकसित देश के पास है।सबसे बड़ी बात आज भारत के पास आज एक राष्ट्रवादी विचारधारा वाली, समाज को जोड़ने वाली सरकार है जो भारत को विश्व गुरु बनाने का दम रखती है।"

आगे भारत में विदेशी मीडिया के दखल पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, "आज भी भारत में भी कई ऐसे विदेशी मीडिया संस्थान है जो भारत विरोधी सोच के साथ काम कर रहे हैं। इन्होंने ऐसा नेक्सस बना रखा है कि अपने गलत कामों पर सरकार द्वारा पूछताछ पर भी ऐसे चिल्लाते हैं और पूरे विश्व में यह बताते हैं की भारत में मीडिया फ्रीडम पर खतरा है। ये अपने गलत कामों पर मीडिया नाम की चादर डालना चाहते हैं। इसी गलत भावना के साथ यह कुछ मनगढ़ंत रिपोर्ट निकालते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता। देश का मीडिया किसी विदेशी मीडिया को हमारे देश का नैरेटिव सेट करने का मौका ना दे"

विदेशी मीडिया को उपनिवेशवाद की सोच से ग्रस्त बताते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, "विदेशी मीडिया जिस तरह से सिलेक्टिव होकर भारतीय खबरों को गलत तरीके से गलत एंगल देकर sensationalise करता है, क्या हमारा मीडिया उनकी खबरों को तनिक भी स्पेस देता है? उदाहरण के

लिए देखे तो अमेरिका में gun violence आज चरम पर है। पर क्या इसकी चर्चा आपने भारत में या वैश्विक स्तर पर देखी?"

आगे वेस्टर्न हेजेमनी और वर्ल्ड इनफार्मेशन आर्डर पर बात रखते हुए ठाकुर ने कहा, "आप सभी को Pfizer vaccine याद होगा। कैसे इसको भारत मे लाने के लिए क्या क्या हथकंडे अपनाए गए। भारतीय स्वदेशी टीकों के खिलाफ प्रोपेगेंडा चलाया गया। ये सब इसीलिए संभव था क्योंकि information flow पर western hegemony है। हमें यानी आपसभी को इसे तोड़ना है। हमारा भारत तब तक विश्व गुरु नहीं बन सकता जब तक हम अपना इंफॉर्मेशन फ्लो अपने हाथ में नहीं लेंगे।"

आगे बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा "अधिकतर विदेशी मीडिया कंपनियों, खास कर जिनका भारत के प्रति घृणा का इतिहास है, वहां जो पत्रकार भारत के बारे में गलत खबरें लिखते हैं वो ज्यादातर भारतीय या भारतीय मूल के हीं होते हैं। इनकी प्रोफाइल आप खंगालेंगे तो पता चलेगा की ये भारत और भारतीयों, खास कर हिंदुओं के प्रति घृणा से भरे होते हैं। और केवल एकतरफा खबरें लिखते हैं। हमें ये मानना होगा कि कुछ विदेशी मीडिया संस्थान और कुछ देशी न्यूज़ पोर्टल्स भारतीय सोच व समाज के खिलाफ प्रोपेगंडा के तहत कार्य कर रहे हैं। इसे साफ साफ बोलने में किसी को कोई संकोच नहीं होना चाहिए "

सीबीआई के हीरक जयंती समारोह में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल के मेरे सहयोगी डॉक्टर जितेंद्र सिंह जी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल जी, कैबिनेट सेक्रेटरी, डायरेक्टर सीबीआई, अन्य अधिकारीगण, देवियों और सज्जनों! आप सभी को सीबीआई के 60 वर्ष पूरे होने, हीरक जयंती के इस अवसर पर बहुत-बहुत बधाई।

देश की प्रीमियम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के रूप में 60 वर्ष का सफर आपने पूरा किया है। ये 6 दशक, निश्चित रूप से अनेक उपलब्धियों के रहे हैं। आज यहां सीबीआई के मामलों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का संग्रह भी जारी किया गया है। ये सीबीआई के बीते वर्षों के सफर को दिखाता है।

कुछ शहरों में सीबीआई का नया दफ्तर हो, ट्विटर हैंडल हो, अन्य व्यवस्थाएं, जिनका आज शुभारंभ हुआ है, वो निश्चित रूप से सीबीआई को और सशक्त करने में अहम भूमिका निभाएंगी। सीबीआई ने अपने काम से, अपने कौशल से सामान्य जन को एक विश्वास दिया है। आज भी जब किसी को लगता है कि कोई केस असाध्य है, तो आवाज़ उठती है कि मामला सीबीआई को दे देना चाहिए। लोग आंदोलन करते हैं कि केस उनसे ले करके सीबीआई को दे दो। यहां तक कि पंचायत स्तर पर भी कोई मामला आता है, तो लोग कहते हैं- अरे भई, इसको तो सीबीआई के हवाले करना चाहिए। न्याय के, इंसाफ के एक ब्रांड के रूप में सीबीआई हर ज़ुबान पर है।

सामान्य जन का ऐसा भरोसा जीतना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है। और इसके लिए पिछले 60 वर्षों में जिन-जिन ने योगदान दिया है इस संगठन में रहे सभी अधिकारी, सभी कर्मचारी बहुत-बहुत बधाई के पात्र हैं। अभी यहां कई साथियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस मेडल से भी सम्मानित किया गया है। जिनका सम्मान करने का मुझे अवसर मिला है, जिनको सम्मान प्राप्त हुआ है, उनको, उनके परिवारजनों को मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई।

साथियों,

पिछले 6 दशकों में सीबीआई ने multi-dimensional और मल्टी-डिसिप्लिनरी जांच एजेंसी के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। आज सीबीआई का दायरा काफी बड़ा हो चुका है। बैंक फ्रॉड से लेकर, वाइल्ड लाइफ से जुड़े हुए अपराधों, यानी यहां से यहां तक, महानगर से ले करके जंगल तक अब सीबीआई को दौड़ना पड़ रहा है। ऑर्गेनाइज्ड क्राइम से लेकर, साइबर क्राइम तक के मामले, सीबीआई देख रही है।

लेकिन मुख्य रूप से सीबीआई की जिम्मेदारी भ्रष्टाचार से देश को मुक्त करने की है। भ्रष्टाचार, कोई सामान्य अपराध नहीं होता। भ्रष्टाचार, गरीब से उसका हक छीनता है, भ्रष्टाचार अनेक अपराधों का सिलसिला शुरू करता है, अपराधों को जन्म देता है। भ्रष्टाचार, लोकतंत्र और न्याय के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा होता है। विशेष रूप से जब सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार हावी रहता है, तो वो लोकतंत्र को फलने-फूलने नहीं देता। जहां भ्रष्टाचार होता है, वहां सबसे पहले युवाओं के सपने बलि चढ़ जाते हैं, युवाओं को उचित अवसर नहीं मिलते हैं। वहां सिर्फ एक विशेष इकोसिस्टम ही फलता-फूलता है। भ्रष्टाचार, प्रतिभा का सबसे बड़ा दुश्मन होता है, और यहीं से भाई-भतीजावाद, परिवारवाद पनपता रहता है और अपना शिकंजा मजबूत करता रहता है। जब भाई-भतीजवाद और परिवारवाद बढ़ता है, तो समाज का, राष्ट्र का सामर्थ्य कम होता जाता है।

साथियों,

साल 2014 के बाद हमारा पहला दायित्व, व्यवस्था में भरोसे को फिर कायम करने का रहा और इसलिए हमने काले धन को लेकर, बेनामी संपत्ति को लेकर, मिशन मोड पर एक्शन शुरु किया। हमने भ्रष्टाचारियों के साथ-साथ, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले कारणों पर, प्रहार करना शुरु किया। आप याद कीजिए, सरकारी टेंडर प्रक्रियाएं, सरकारी ठेके, ये सवालों के सबसे बड़े घेरे में थीं। हमने इनमें पारदर्शिता को प्रोत्साहन दिया। आज जब हम 2G और 5G स्पेक्ट्रम के आवंटन की तुलना करते हैं, तो अंतर साफ-साफ नज़र आता है। आप भी जानते हैं अब केंद्र सरकार के हर विभाग में खरीदारी के लिए GeM यानि गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस की स्थापना की गई है। आज हर विभाग ट्रांसपेरेंसी के साथ इसी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अधिक से अधिक खरीदारी कर रहा है।

साथियों,

भ्रष्टाचारियों ने देश का खजाना लूटने का एक और तरीका बना रखा था, जो दशकों से चला आ रहा था। ये था, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से लूट। पहले की सरकारों में जो मदद गरीब लाभार्थियों के लिए भेजी जाती

थी, वो बीच में ही लूट ली जाती थी। राशन हो, घर हो, स्कॉलरशिप हो, पेंशन हो, ऐसी अनेक सरकारी स्कीम्स में असली लाभार्थी खुद को ठगा हुए महसूस करते थे। और एक प्रधानमंत्री ने तो कहा था, एक रुपया जाता है 15 पैसा पहुंचता है, 85 पैसों की चोरी होती थी। पिछले दिनों मैं सोच रहा था हमने DBT के द्वारा करीब 27 लाख करोड़ रुपये नीचे लोगों ने पहुंचाया है। अगर उस हिसाब से देखता तो 27 लाख करोड़ में से करीब-करीब 16 लाख करोड़ कहीं चले गए होते। आज जनधन, आधार, मोबाइल की ट्रिनिटी से हर लाभार्थी को उसका पूरा हक मिल रहा है। इस व्यवस्था से 8 करोड़ से अधिक फर्जी लाभार्थी सिस्टम से बाहर हुए हैं। जो बेटी पैदा नहीं हुई वो विधवा हो जाती थी और विधवा पेंशन चलता था। DBT से देश के करीब सवा 2 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं।

साथियों,

भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई को लेकर ऐसे अनेक कदम आप भी बता सकते हैं, मैं भी गिना सकता हूं। लेकिन अतीत के हर अध्याय से हमें कुछ न कुछ सीखने की ज़रूरत है। दुर्भाग्य से, भ्रष्टाचार से जुड़े मामले वर्षों तक खींचते चले जाते हैं। ऐसे मामले भी आए हैं, जिसमें FIR होने के 10 साल बाद भी, सजा की धाराओं पर चर्चा चलती रहती है। आज भी जिन मामलों पर एक्शन हो रहे हैं, वो कई-कई साल पुराने हैं।

जांच में देरी दो तरीके से समस्या को जन्म देती है। एक तरफ, भ्रष्टाचारी को सजा देर से मिलती है, तो दूसरी तरफ निर्दोष परेशान होता रहता है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि कैसे हम इस प्रोसेस को तेज बनाएं और भ्रष्टाचार में दोषी को सजा मिलने का रास्ता साफ हो पाए। हमें Best international practices को स्टडी करना होगा। जांच अधिकारियों की Capacity building पर फोकस करना होगा।

साथियों,

बेहतर परिणामों के लिए अलग-अलग एजेंसियों के बीच के silos को भी खत्म करना बहुत आवश्यक है। Joint और multidisciplinary investigation आपसी विश्वास के माहौल में ही संभव होगा। अब देश की geographical boundaries उससे बाहर भी पैसों का, लोगों का, goods & services का बड़े पैमाने पर मूवमेंट हो रहा है। जैसे-जैसे भारत की आर्थिक शक्ति बढ़ रही है तो अड़चनें पैदा करने वाले भी बढ़ रहे हैं।

भारत के सामाजिक तानेबाने पर, हमारी एकता और भाईचारे पर, हमारे आर्थिक हितों पर, हमारे संस्थानों भी नित्य-प्रतिदिन प्रहार बढ़ते चले जा रहे हैं। और इसमें ज़ाहिर तौर पर करप्शन का पैसा लगता है। इसलिए, हमें क्राइम और करप्शन के मल्टीनेशनल नेचर को भी समझना होगा, स्टडी करना होगा। उसके root cause तक पहुंचना होगा। आज हम अक्सर देखते हैं कि आधुनिक टेक्नॉलॉजी के कारण क्राइम ग्लोबल हो रहे हैं। लेकिन यही टेक्नॉलॉजी, यही इनोवेशन समाधान भी दे सकते हैं। हमें इन्वेस्टिगेशन में फॉरेंसिक साइंस के उपयोग का और ज्यादा विस्तार करना होगा।

साथियों

साइबर क्राइम जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए हमें इनोवेटिव तरीके खोजने चाहिए। हम tech enabled entrepreneurs और youngsters को अपने साथ जोड़ सकते हैं। आपके संगठन में ही कई techno- savvy युवा होंगे, जिनका बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

साथियों,

मुझे बताया गया है कि सीबीआई ने 75 ऐसी प्रथाओं को compile किया है, जिन्हें समाप्त किया जा सकता है। हमें एक समयबद्ध तरीके से इस पर काम करना चाहिए। बीते वर्षों में सीबीआई ने खुद को evolve किया है। ये प्रक्रिया, बिना रुके, बिना थके, ऐसे ही चलती रहनी चाहिए।

मुझे पूरा विश्वास है ये चिंतन शिविर एक नए आत्मविश्वास को जन्म देगा, ये चिंतन शिविर नए आयामों तक पहुंचने के रास्तें बनाएगा, ये चिंतन शिविर गंभीर से गंभीर, कठिन से कठिन समस्याओं को सुलझाने के तौर-तरीके मे आधुनिकता ले आएगा। और हम ज्यादा प्रभावी होंगे, ज्यादा परिणामकारी होंगे और सामान्य नागरिक न बुरा करना चाहता है न बुरा उसको पसंद है। हम उसके भरोसे आगे बढ़ना चाहते हैं जिसके दिल में सच्चाई जिंदा है। और वो संख्या कोटि-कोटि जनों की है, कोटि-कोटि जनों की है। इतना बड़ा सामर्थ्य हमारे साथ खड़ा है। हमारे विश्वास में कहीं कमी की गुंजाइश नहीं है साथियो।

इस हीरक महोत्सव के महत्वपूर्ण अवसर पर मैं आपको अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। आप अपने लिए 15 साल में क्या करेंगे, और अपने माध्यम से 2047 तक क्या अचीव करेंगे, ये दो लक्ष्य तय करके आगे बढ़ना चाहिए। 15 साल इसलिए कि जब आप 75 के होंगे तब आप कितने सामर्थ्यवान, समर्पित, संकल्पवान होंगे, और जब देश 2047 में शताब्दी मनाता होगा, तब इस देश की आशा-अपेक्षाओं के अनुरूप आप किस ऊंचाई पर पहुंचे होंगे, वो दिन देश देखना चाहता है।

मेरी आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

कृषि प्रतिनिधियों की दूसरी बैठक का तीसरा व अंतिम दिन 31 मार्च 2023 को चंडीगढ़ में आयोजित किया गया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

दिन की शुरुआत परिणाम दस्तावेज पर चर्चा के साथ हुई, जिसे पहले शुभा ठाकुर, संयुक्त सचिव (फसल) ने संबोधित किया और डॉ. अभिलक्ष लिखी, अतिरिक्त सचिव, डीए एंड एफडब्ल्यू द्वारा आगे बढ़ाया गया।

आज का दिन लगातार दो सत्रों के साथ जारी रहा जिसमें जी20 के सदस्य देशों द्वारा विज्ञप्ति का मसौदा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया और विस्तृत चर्चाओं द्वारा चिह्नित किया गया। अन्य आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी सत्र के दौरान अपने विचार रखे और कम्युनिके ड्राफ्टिंग अभ्यास पर एक समावेशी चर्चा में योगदान दिया।

सत्र के बाद, सचिव, डीए एंड एफडब्ल्यू, मनोज आहूजा ने प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित किया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मसौदा विज्ञप्ति (ड्राफ्ट कम्युनिके) पर चर्चा और विचार-विमर्श फोकस क्षेत्रों पर समझौते का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिसमें 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' की भावना को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा और पोषण, जलवायु स्मार्ट कृषि, समावेशी कृषि, मूल्य श्रृंखला और खाद्य प्रणाली और कृषि परिवर्तन के लिए डिजिटलीकरण शामिल हैं।

यह दिन रैप-अप सत्र के साथ कृषि प्रतिनिधियों की बैठक के औपचारिक समापन का था, इसके बाद हरियाणा के पिंजौर में स्थित ऐतिहासिक यादविंद्र गार्डन का दौरा किया गया। विदाई रात्रिभोज में लगभग 85 प्रतिनिधियों ने भाग लिया और कार्यक्रम का समापन सकारात्मक नोट पर हुआ।

जीईएम " मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस" की सरकार की प्रतिबद्धता में प्रभावी योगदान

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जीईएम) भारत में सार्वजनिक खरीद के लिए एक ऑनलाइन मंच है जिसकी परिकल्पना माननीय प्रधान मंत्री द्वारा की गई थी। यह पहल 9 अगस्त, 2016 को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा खरीदारों और विक्रेताओं के लिए निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धी तरीके से खरीद गतिविधियों को पूरा करने के लिए एक समावेशी, कुशल और पारदर्शी मंच बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

पिछले 6.5 वर्षों में, जीईएम ने प्रौद्योगिकी, प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण, सभी हितधारकों के डिजिटल एकीकरण और एनालिटिक्स के उपयोग के माध्यम से देश में सार्वजनिक खरीद के पारिस्थितिकी तंत्र में क्रांति ला दी है। जीईएम इस बात का एक उदाहरण है कि विरासती प्रक्रियाओं को पुनर्जीवित करने और फिर से कल्पना करने के लिए एक रणनीतिक और स्पष्ट इरादे के साथ बनाए गए डिजिटल प्लेटफॉर्म कैसे देश के साथ-साथ वंचितों के लिए स्थायी परिवर्तन ला सकते हैं। जीईएम " मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस" की सरकार की प्रतिबद्धता में प्रभावी योगदान दे रहा है।

31 मार्च 2023 तक, जीईएम ने अकेले वित्त वर्ष 2022-23 में ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) का चौंका देने वाला ₹2 लाख करोड़ हासिल किया है। संचयी रूप से, जीईएम ने अपने हितधारकों के भारी समर्थन के साथ, स्थापना के बाद से 3.9 लाख करोड़ जीएमवी को पार कर लिया है। जीईएम पर लेनदेन की कुल संख्या भी 1.47 करोड़ को पार कर गई है। जीईएम 67,000 से अधिक सरकारी खरीदार संगठनों की विविध खरीद आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। पोर्टल में 32 लाख से अधिक सूचीबद्ध उत्पादों के साथ 11,700 से अधिक उत्पाद श्रेणियां हैं, साथ ही 2.8 लाख से अधिक सेवा पेशकशों के साथ 280 से अधिक सेवा श्रेणियां हैं। विभिन्न अध्ययनों के आधार पर, प्लेटफॉर्म पर न्यूनतम बचत लगभग 10% है, जो ~ 40,000 करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन की बचत में तब्दील होती है।

माननीय सीआईएम ने जीईएम और खरीदारों और विक्रेताओं के मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र को बधाई दी, जिनका अटूट समर्थन इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण रहा है। माननीय सीआईएम ने भी माननीय प्रधान मंत्री, नरेंद्र मोदी, उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद किया।, जिसने जीईएम को अधिक से अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद की है।

सीईओ-जीईएम, पी.के. सिंह ने इस महत्वपूर्ण

अवसर पर मीडिया बिरादरी के सहयोगियों को संबोधित किया और जीईएम के लिए आगे की यात्रा और विजन को साझा किया। उन्होंने उन सभी हितधारकों किया धन्यवाद किया जो जीईएम को इतनी बड़ी ऊंचाइयों तक पहुंचाने के पीछे प्राथमिक चालक हैं।

प्लेटफ़ॉर्म कई खरीद मोड (सीधी खरीद, L1 खरीद, बोली, रिवर्स नीलामी, बोली के बाद रिवर्स नीलामी) को सक्षम बनाता है। जीईएम एक ट्रस्ट-आधारित प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित हुआ है और संपर्क रहित, पेपरलेस और कैशलेस है, जहां उपयोगकर्ताओं का प्रमाणीकरण संबंधित डोमेन डेटाबेस, यानी आधार, पैन, स्टार्टअप, जीएसटीएन, एमसीए21, आदि के साथ एपीआई एकीकरण के माध्यम से किया जाता है। मार्केटप्लेस में स्वचालित बाजार समायोजन नीतियां के साथ-साथ एंड-टू-एंड डिजिटल प्रक्रियाओं शामिल हैं जो एक संपन्न खरीदार-विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करते हैं।

जीईएम ने अपने हितधारकों के परामर्श से कई महत्वपूर्ण कार्यात्मकताएं भी विकसित की हैं, जैसे पुश बटन खरीद, एकल पैकेट बोली, वार्षिक खरीद योजना, विवाद से विश्वास, जीईएम और एआई / एमएल - आधारित उपयोग के मामले पर व्यावसायिक अवसर और खरीदारों को अधिक सूचित निर्णय लेने में मदद करती है।

स्वचालन और प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण के माध्यम से, जीईएम ने उच्च प्रक्रिया दक्षता, बेहतर सूचना साझाकरण, बेहतर पारदर्शिता, कम प्रक्रिया चक्र समय और बोलीदाताओं के बीच उच्च स्तर के विश्वास का नेतृत्व किया है, जिसके परिणामस्वरूप अधिक प्रतिस्पर्धा और उच्च बचत हुई है। जीईएम में इन नवाचारों ने खरीदारों के लिए प्रतीक्षा समय और कीमतों में काफी कमी लाई है और विक्रेताओं को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया है। इससे भारत में सार्वजनिक खरीद में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को बढ़ावा देने के साथ-साथ समग्र "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।

भाजपा को आज के मुकाम पर पहुंचाने में अनगिनत महान व्यक्तियों का बलिदान सर्वोपरी : अश्वनी शर्मा

अश्वनी शर्मा ने कार्यकर्ताओं संग करतारपुर विधानसभा में पड़ने वाले दयालपुर में भाजपा के स्थापना दिवस पर फहराया झंडा

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

भारतीय जनता पार्टी के 44 वें स्थापना दिवस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के आह्वान पर समूचे पंजाब में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला से लेकर बूथ स्तर तक भाजपा का स्थापना दिवस मनाया। इसी कड़ी में करतारपुर विधानसभा में पड़ने वाले दयालपुर में जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह पवार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यकर्म में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने विशेष रूप से पहुँच कर कार्यकर्ताओं संग भाजपा का ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस मनाया तथा कार्यकर्ताओं में मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया।

इस अवसर पर सभी ने राष्ट्रगान गा कर भाजपा ध्वज को सलामी दी। उन्होंने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं संग बैठ कर प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी का लाइव भाषण भी सुना। इस अवसर पर अश्वनी शर्मा के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश राठौर, पूर्व विधायक बलविंदर सिंह लाडी, संजीव मिन्हास, पूर्व जिलाध्यक्ष रमन पब्बी, अमरजीत सिंह अमरी, सुदर्शन सोबती, राजीव पांजा, निधि तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकर्त्ता भी उपस्थित थे।

अश्वनी शर्मा ने इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा के स्थापना दिवस तथा श्री हनुमान जयंती की बधाई देते हुए कहा कि आज भाजपा कार्यकर्ताओं पर आधारित विश्व का सबसे बड़ा राजनितिक दल बन चुका है।

आज से 44 साल पहले राष्ट्र सेवा व राजनीतिक स्वच्छता के लिए एवं भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए भाजपा के संस्थापक सदस्यों ने राष्ट्र को सर्वोपरी रख कर भारतीय जनता पार्टी का गठन किया गया था। उस समय रोपा गया पौधा आज भाजपा कार्यकर्ताओं के बलिदान तथा अनथक परिश्रम के चलते एक विशाल वृक्ष बन चुका है। भारतीय जनता पार्टी को आज इस मुकाम पर पहुँचाने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जैसे अनगिनत महान व्यक्तियों का बलिदान सर्वोपरी रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों को कोटि-कोटि प्रणाम करते हुए सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। भाजपा समाज के सभी वर्गों को विश्वास में लेकर, राष्ट्र निर्माण के लिए काम कर रही है। हमें गर्व है कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज एक मजबूत एवं स्वाभिमानी देश के रूप में स्थापित हुआ है।

भाजपा ही एकमात्र ऐसा राजनितिक दल है जहाँ कार्यकर्त्ता अपनी कार्यदक्षता के आधार पर पार्टी में किसी भी पद तक पहुँच सकता है। इसका उदाहरण है डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई और देश के प्रधानमंत्री नरेंदर भाई मोदी सहित कई अन्य नेता जिन्होंने भाजपा तथा भारत का नाम विश्व के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करवा दिया है। अश्वनी शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में पार्टी 6 अप्रैल से बाबा साहिब डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल तक सप्ताह भर चलने वाले सामाजिक समरसता अभियान की शुरुआत करने जा रही है, जिसके तहत पंजाब में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगें। इस कड़ी में भाजपा कार्यकर्ता 14 अप्रैल तक प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी के भाषण के बाद पार्टी के इतिहास और केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर गोष्ठी और परिचर्चा आयोजित करेंगें। बाबा साहिब डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को बूथ स्तर पर कार्यक्रमों के दौरान उनकी तस्वीर पर मालयार्पण कर श्रद्धांजली देकर मनाया जाएगा। अश्वनी शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं को अपने अपने इलाके में भाजपा की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

जालंधर में शाम 7 से सुबह 8 बजे तक कंबाइनों से गेहूँ की कटाई पर पाबंदी

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

ज़िला मैजिस्ट्रेट जसप्रीत सिंह ने फ़ौजदारी सहिता की धारा 144 अधीन प्राप्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ज़िला जालंधर में शाम 7 बजे से सुबह 8 बजे तक गेहूँ की कटाई पर पाबंदी लगा दी है। आदेशों में कहा गया है कि गेहूँ की कटाई केवल हारवैस्टर कंबाइन से की जाए, जिनके पास बी.आई.एस. का सर्टिफिकेट हो । इसी तरह ज़िला मैजिस्ट्रेट की तरफ़ से एयर प्रीवैनशन एंड कंट्रोल ऑफ़ पोल्युशन एक्ट 1981 और फ़ौजदारी सहिता की धारा 144 अधीन जालंधर ज़िले में गेहूँ के अवशेष को आग लगाने पर पाबंदी लगाई गई है । यह दोनों आदेश 15.06.2023 तक लागू रहेंगे।

'पीएसपीसीएल खेतों में आग लगने की घटनाएं रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएगा'

हरभजन सिंह ईटीओ ने जारी की एडवाइज़री

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

चल रहे कटाई के सीजन के मद्देनज़र पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने किसानों से अपील की है कि यदि वे अपने इलाके में बिजली की ढ़ीली तारों या किसी किस्म की कोई स्पार्किंग की घटना देखते हैं तो तुरंत पास के पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमटिड (पीएसपीसीएल) दफ़्तर को सूचित करें।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पी. एस. पी. सी. एल. द्वारा खेतों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने उपभोक्ताओं को यह भी बताया कि वे बिजली सम्बन्धी अपनी शिकायतें 96461-06835 और 96461-06836 पर 24 घंटे कार्यशील हेल्पलाइन नंबरों पर दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता वटसऐप नंबर 96461-06835 पर भी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

बिजली मंत्री ने किसानों को ट्रांसफ़र्मरों के आसपास एक मरले रकबे की गेहूँ की कटाई पहले करने की अपील की जिससे किसी भी दुखद घटना को टाला जा सके। उन्होंने कहा कि खेतों में लगे ट्रांसफ़र्मरों के आसपास दस मीटर का घेरा गीला रखा जाये जिससे यदि कोई स्पार्किंग जैसी घटना घटती है तो इस घटना को आसानी के साथ और ख़ुद-ब-ख़ुद रोका जा सके।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश राठौर ने अपने बूथ पर मनाया स्थापना दिवस

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

जालंधर शहर के पूर्व मेयर एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश राठौर ने अपने बूथ नंबर 89 पर भारतीय जनता पार्टी का 43वां स्थापना दिवस स्थानीय दीनदयाल उपाध्याय भवन में भारतीय जनता पार्टी के झंडे का ध्वजारोहण व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाया गया।

इस मौके पर मुख्य रुप से उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता कुलदीप भगत,भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष रमन पब्बी, मंडल नंबर 4 के अध्यक्ष आशीष सहगल, जिला उपाध्यक्ष मनीष विज, जिला सचिव अमित भाटिया, बृजेश ज्योति,सुदर्शन मोगिया, लकी वर्मा, सुनील शर्मा, राजीव चोपड़ा, भारत मलहोत्रा, दिविज धीर,मुख्य रूप से उपस्थित थे उसके उपरांत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी आज पूरे देश में प्रदेश स्तर,जिला स्तर, मंडल स्तर, बूथ स्तर, के कार्यकर्ताओं के साथ लाइव रूबरू हुए। भाजपा पंजाब प्रदेश के उपाध्यक्ष राकेश राठौर ने पार्टी के इतिहास के बारे में पूरी जानकारी विस्तार से दी।

राकेश राठौर ने कहा कि ये 43 वर्षों की यात्रा राष्ट्रसेवा, राष्ट्रउत्थान व राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की यात्रा रही है और 2014 से नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा 7 दशकों से वंचित देश के करोड़ों गरीबों, किसानों, वंचितों और महिलाओं की आकाँक्षाओं की पूर्ति का साधन बनी है।

आंगनवाड़ी सैंटरों में बच्चों के दाख़िलों सम्बन्धी जागरूक करने के हुक्म

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिशा-निर्देशों अनुसार सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आंगनवाड़ी वर्करों को हुक्म दिए हैं कि राज्य के तीन साल से ऊपर के बच्चों को आंगनवाड़ी सैंटरों में दाख़िल करवाने के लिए बच्चों के माता-पिता को घर-घर जाकर जागरूक किया जाये।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार राज्य के बच्चों के समूचे विकास के लिए वचनबद्ध है। इसी नीति के अंतर्गत आंगनवाड़ी सैंटरों में बच्चों की बुनियादी ज़रूरतें पूरी करके हर बच्चे के विकास का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को पूरक पौष्टिक आहार, प्राइमरी शिक्षा देने के अलावा टीकाकरण, स्वास्थ्य की जांच और न्यूट्रीशियन संबंधी बच्चों के माता-पिता को जागरूक किया जाता है। उन्होंने बताया कि आंगनवाड़ी सैंटरों में बच्चों के मानसिक विकास के लिए खिलौनों के साथ अलग-अलग प्रक्रियाएं करवाई जाती हैं।

कैबिनेट मंत्री ने आंगनवाड़ी वर्करों को हिदायत की कि वह और कुशलता और तनदेही के साथ काम करें जिससे प्रेरित होकर आंगनवाड़ी सैंटरों में बच्चों की संख्या में विस्तार हो सके।

वोटरों को जागरूक करने के लिए स्वीप अधीन जागरूकता अभियान शुरू

डिप्टी कमिश्नर ने युवाओं को लोकतंत्र की मजबूती के लिए वोट के अधिकार का प्रयोग करने का दिया न्योता

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

युवा वोटरों को मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशासन ने सिस्टमैटिक वोटर एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (स्वीप) प्रोग्राम के अधीन जिले में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया है। डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी जसप्रीत सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन की तरफ से वोटरों को उनके मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए रणनीति अपनाई गई है, ताकि 10 मई 2023 को अधिक से अधिक लोगों की वोटिंग को सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए कई शैक्षणिक संस्थान भी शामिल हुए हैं, जिसमें वोटर रजिस्ट्रेशन कैंप लगाने के साथ मतदान की महत्ता पर सैमीनार, नैतिक वोटिंग को समर्पित विभिन्न प्रतियोगिताए भी करवाई जा रही है।

इसी कड़ी में आज स्थानीय सरकारी कालेज आज एजुकेशन (बीएड) में नैतिक वोटिंग विषय पर सैमीनार करवाया गया,जिसमें वोटरों को बिना किसी लालच या भय के अपने मत का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही वोटर रजिस्ट्रेशन कैंप लगाकर योग्य युवाओं को मतदाता के रूप में रजिस्टर किया गया। जिला चुनाव अधिकारी ने आगे बताया कि प्रशासन द्वारा बूथ स्तर तक स्वीप अभियान अधीन विभिन्न जागरूकता गतिविधियां चलाई जा रही है, जिसमें हस्ताक्षर अभियान, डोर-टू-डोर अभियान, स्टीकर लगाने आदि शामिल है।

आम चुनाव के दौरान आवश्यक आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को पूरा करने के निर्देश

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

चिकित्सा अधीक्षक एवं कार्यकारी सिविल सर्जन डॉ. राजीव शर्मा के नेतृत्व में सिविल सर्जन कार्यालय में गुरुवार को सभी एसएमओ के साथ मासिक बैठक हुई। डाक्टर राजीव शर्मा ने सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की प्रगति रिपोर्ट पढ़ी। उनके द्वारा समूह एसएमओज़ को उप-चुनाव के अनुसार आवश्यक आपात स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था पूर्ण रखने का निर्देश दिया गय।

डॉक्टर राजीव शर्मा ने सभी एसएमओज़ को आम आदमी क्लीनिक के कामकाज की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार समूह एसएमओ से कोविड-सैंपलिंग बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अमले को चुनाव कार्यक्रम का पालन करने के लिए जागरूक किया जाए और आम चुनाव के दौरान ब्लॉक स्तर पर मेडिकल टीम व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की जाएं। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सहायक सिविल सर्जन डॉक्टर वरिंदर कौर थिंद, जिला परिवार कल्याण अधिकारी रमन गुप्ता, जिला डेंटल स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बलजीत कौर रूबी मौजूद थ।

जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. रमन गुप्ता ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की जानकारी देते हुए कहा कि जब बच्चों के साथ शारीरिक शोषण का मामला हो तो ऐसे मामले में नरमी से पेश आएं। इसके अलावा उन सभी एसएमओ को कहा कि जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लोगों को मातृ एवं शिशु सेवाओं का लाभ देते हुए हर गर्भवती महिला को नि:शुल्क संस्थागत प्रसूति, जांच, नि:शुल्क दवाइयां और 108 एंबुलेंस सेवा का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाली प्रत्येक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला को विशेषज्ञ चिकित्सक के निर्देशानुसार एएनसी (प्रसव पूर्व) जांच करानी चाहिए।

हाथी परियोजना के तीस वर्ष

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

भूपेंद्र यादव,
केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, भारत सरकार।

यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए जैव-विविधता संरक्षण, सर्वोत्तम रणनीतियों में से एक है। जैव-विविधता संरक्षण एक जटिल प्रयास होता है, क्योंकि जैविक समुदाय अपने पर्यावरण से गहरे रूप से जुड़े रहते हैं। कुछ महत्वपूर्ण प्रजातियों का संरक्षण तथा कुछ आवश्यक तथ्यों पर आधारित दृष्टिकोण, चुनौती का मुकाबला करने में सहायता कर सकता है। विश्व स्तर पर लुप्तप्राय एशियाई हाथी (एलीफस मैक्सिमस) का भारत में संरक्षण इसका एक उदाहरण है।

भारत में हाथियों और लोगों के बीच का संबंध गहरा है और दुनिया में विशिष्ट है। भारत में हाथियों की समृद्धि के प्रतीक के रूप में पूजा की जाती है। वे सांस्कृतिक प्रतीक हैं और हमारे धर्म, कला, साहित्य और लोककथाओं के हिस्से हैं। भारतीय महाकाव्य हाथियों के संदर्भों से भरे पड़े हैं। यह भी माना जाता है कि महाभारत को भगवान गणेश ने अपने एक टूटे हुए दांत से लिखा था। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद से, हाथियों की आबादी का रुझान, अन्य देशों के विपरीत, अपेक्षाकृत स्थिर रहा है। भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 जैसे मजबूत कानून हैं, जो हाथियों को उच्चतम कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं, चाहे वे जंगल में हों या मानव देखभाल के तहत हों। वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980, हाथियों के निवास-स्थानों को नुकसान और निवास-स्थानों के क्षेत्रफल में कमी लाने से बचाता है।

वर्तमान में, पूरे भारत में 80,778 वर्ग किमी में फैले 33 हाथी आरक्षित क्षेत्र हैं। वर्ष 2022 में भारत में हाथी परियोजना के 30 वर्ष पूरे हुए हैं। हाथी परियोजना ने हाथी संरक्षण के प्रयासों को गति दी है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर पिछले दो वर्षों के दौरान दो नए हाथी आरक्षित क्षेत्र बनाए गए हैं। दुधवा और उत्तर प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों में अधिसूचित तराई हाथी आरक्षित क्षेत्र का उद्देश्य, भारत और नेपाल के बीच सीमा-पार के हाथियों के प्रबंधन में लंबे समय से चल रही समस्याओं का समाधान करना है। तमिलनाडु के दक्षिणी-पश्चिमी घाट के पहाड़ों में अगस्तियारमलाई हाथी आरक्षित क्षेत्र, पेरियार और अगस्तियारमलाई के बीच संपर्क बहाल करने की दिशा में गति प्रदान करेगा। हाथियों के संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए, गलियारों के महत्व को स्वीकार करते हुए, हाथी परियोजना के अंतर्गत पूरे भारत में, चिन्हित किये गए हाथी गलियारों के लिए, भूभाग सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुछ महत्वपूर्ण हाथी गलियारों, जैसे उत्तराखंड में चिल्ला-मोतीचूर गलियारे, केरल में तिरुनेली-कुदरकोट गलियारे और कुछ अन्य को सफलतापूर्वक बहाल कर दिया गया है। पहली बार, ओडिशा में एक महत्वपूर्ण गलियारे को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत एक संरक्षण आरक्षित क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया गया था। ट्रेन से हाथियों की टक्कर के मुद्दे को हल करने के लिए रेलवे तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की बैठकें निरंतर हो रही हैं। समस्या के समाधान के लिए दोनों मंत्रालय, राज्य के वन विभागों और अनुसंधान संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारत में हाथियों के संरक्षण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है - मानव-हाथी संघर्ष। सरकार इस समस्या के गंभीरता को स्वीकार करती है और संघर्षों को कम करने के लिए लोगों के साथ खड़ी है। वन्य-जीवों के कारण होने वाले फसल नुकसान को शामिल करने के लिए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी नई पहलों का विस्तार किया गया है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजे का भुगतान किया जा सके।

न्यूजीलैंड को झटका : वनडे विश्वकप से बाहर हो सकते हैं विलियमसन, करानी होगी सर्जरी

मुंबई. भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप से केन विलियमसन बाहर हो सकते हैं। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के शुरुआती मैच में घुटने में चोट लगी थी। विलियमसन को अपने घायल दाहिने घुटने की सर्जरी की आवश्यकता होगी, मंगलवार को स्कैन के बाद पुष्टि हुई। आपको बता दें कि केन विलियमसन इस साल गुजरात टाइटंस की तरफ से खेल रहे थे। पहले ही मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ फील्डिग करते समय चोटिल हो गए थे। सबर यह है कि उनके दाहिने हाथ का अगले तीन सप्ताह के अंदर ऑपरेशन किया जाएगा।

माना जा रहा है कि केन विलियमसन को ठीक होने में काफी समय लगेगा, जो प्रभावी रूप से उन्हें मेगा इवेंट से बाहर कर सकता है। न्यूजीलैंड क्रिकेट एसोसिएशन ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि मानक रिहैबिलिटेशन समयसीमा का मतलब है कि विलियमसन के फिट होने और इस साल भारत में होने वाले आईसीसी वनडे क्रिकेट विश्व कप में चयन के लिए उपलब्ध होने की संभावना कम है। यह खबर न्यूजीलैंड के लिए बड़ा झटका हो सकता है। केन विलियमसन विश्व के बेहतर बल्लेबाजों की सूची में आते हैं। वह न्यूजीलैंड के कप्तान भी है। विलियमसन ने यह खबर मिलने के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट और अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मुझे बहुत सहयोग मिला और इसके लिए मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट और गुजरात टाइटंस का आभार व्यक्त करता हूं। यह स्वाभाविक है कि इस तरह की चोट लगने से मैं निराश हूं लेकिन मेरा ध्यान अभी सर्जरी और उसके बाद फिटनेस हासिल करने पर है।

उन्होंने कहा कि इसमें कुछ समय लगेगा लेकिन मैं जल्द से जल्द मैदान पर उतरने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करूंगा। आपको बता दें कि इस तरह की चोट से उबरने और पूर्ण फिटनेस हासिल करने में काफी समय लग जाता है और इसे देखते हुए विलियमसन का अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे विश्वकप तक पूरी तरह फिट होना असंभव लगता है।

64वां श्री हरि नाम संकीर्तन सम्मेलन प्रारंभ

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

श्री चैतन्य महाप्रभु श्री राधा माधव मंदिर प्रताप बाग में 6 अप्रैल को 64वा श्री हरि नाम संकीर्तन सम्मेलन अखिल भारतीय श्री चैतन्य गौडीय मठ के वर्तमान आचार्य भक्ति विचार विष्णु महाराज जी की अध्यक्षता में प्रारंभ हो गया । महाराज जी ने भगवान का नाम संकीर्तन करने वाले में क्या योग्यता होनी चाहिए, इस सम्बंध में बताया कि सभी प्रकार के दुनियावी विमानों से रहित, अपने आपको तृण से भी तुच्छ जानकर, वृक्ष के समान सहनशील होकर, अपने को सभी प्रकार के दुनियावी अहंकारों से मुक्त करके तथा सदा दूसरों को यथा योग्य सम्मान प्रदान करने वाला जीव ही निरंतर श्री कृष्ण के नामों का कीर्तन कर सकता है। सम्मेलन में हैदराबाद से जितेंद्रिय महाराज, मायापुर से निरीह महाराज, जगन्नाथ पुरी से शुद्धाद्वैती महाराज, कोलकाता से राम प्रभु, गोवर्धन से गोविंद महाराज, अनंत राम प्रभु, दीनबन्धु ब्रह्मचारी के साथ साथ भारत के विभिन्न तीर्थ स्थानों से अनेक सन्यासी व ब्रह्मचारी भी भाग ले रहे हैं। सभा के अंत में मायापुर से आए निरीह महाराज जी के साथ हरे कृष्ण महामंत्र संकीर्तन करते हुए सभी ने नृत्य संकीर्तन भी किया। मंदिर के महासचिव राजेश शर्मा ने बताया कि यह सम्मेलन 09 अप्रैल तक इसी प्रकार चलेगा । 08 अप्रैल को दोपहर 3:30 बजे एक विशाल नगर संकीर्तन मंदिर से निकाला जायेगा, जोकि मुख्य मुख्य बाजारों से होता हुआ मंदिर में विश्राम होगा । इस अवसर पर नरिंदर गुप्ता, केवल कृष्ण, रेवती रमण, अमित चड्ढा, राजेश शर्मा, कपिल शर्मा, अजय अग्रवाल, मिंटू कश्यप, रजीव ढींगरा, सत्यव्रत, सन्नी दुआ, ललित अरोड़ा, हेमंत थापर, डा मनीष, अजीत तलवाड़, राजन गुप्ता, निशु गुप्ता, गुरवरिंदर, विजय सग्गड़ व अन्य उपस्थित थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.